



Uday Kumar

19 Aug 1990

06:00 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909720

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 19/08/1990
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 18:00:00 घंटे
इष्ट _____: 31:25:45 घटी
स्थान _____: Gaya
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 24:48:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:10:00 घंटे
वेलान्तर _____: -00:03:42 घंटे
साम्पातिक काल _____: 16:00:23 घंटे
सूर्योदय _____: 05:25:42 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:21:13 घंटे
दिनमान _____: 12:55:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 02:32:33 सिंह
लग्न के अंश _____: 27:05:02 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मकर - शनि
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: आश्लेषा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: वरियान
करण _____: शकुनि
गण _____: राक्षस
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

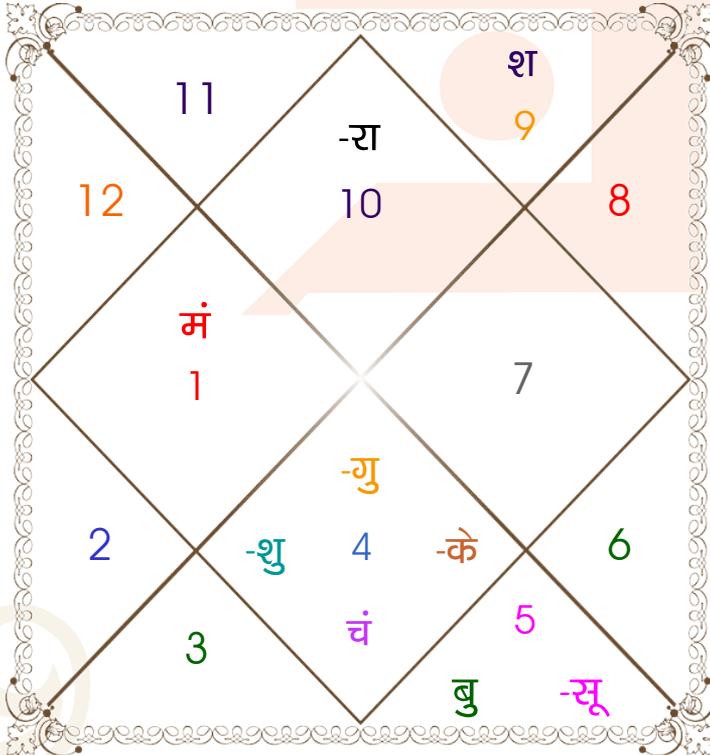
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---------|---|--------|----------|-----------|------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न | | मक | 27:05:02 | 440:10:04 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | गुरु | --- |
| सूर्य | | सिंह | 02:32:33 | 00:57:46 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | मूलत्रिकोण |
| चंद्र | | कर्क | 19:45:36 | 13:47:09 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | स्वराशि |
| मंगल | | मेष | 29:56:08 | 00:33:30 | कृतिका | 1 | 3 | मंगल | सूर्य | राहु | स्वराशि |
| बुध | | सिंह | 28:13:54 | 00:30:17 | उ०फाल्गुनी | 1 | 12 | सूर्य | सूर्य | चंद्र | मित्र राशि |
| गुरु | | कर्क | 06:31:33 | 00:12:42 | पुष्य | 1 | 8 | चंद्र | शनि | बुध | उच्च राशि |
| शुक्र | | कर्क | 13:06:55 | 01:13:27 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | राहु | शत्रु राशि |
| शनि | व | धनु | 25:54:53 | 00:03:06 | पूर्वाषाढा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | केतु | सम राशि |
| राहु | व | मक | 13:33:28 | 00:00:25 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | राहु | मित्र राशि |
| केतु | व | कर्क | 13:33:28 | 00:00:25 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | राहु | मित्र राशि |
| हर्ष | व | धनु | 12:09:06 | 00:01:15 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | --- |
| नेप | व | धनु | 18:23:23 | 00:01:03 | पूर्वाषाढा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | --- |
| प्लूटो | | तुला | 21:24:31 | 00:00:50 | विशाखा | 1 | 16 | शुक्र | गुरु | गुरु | --- |
| दशम भाव | | वृश्चि | 08:27:20 | -- | अनुराधा | -- | 17 | मंगल | शनि | शुक्र | -- |

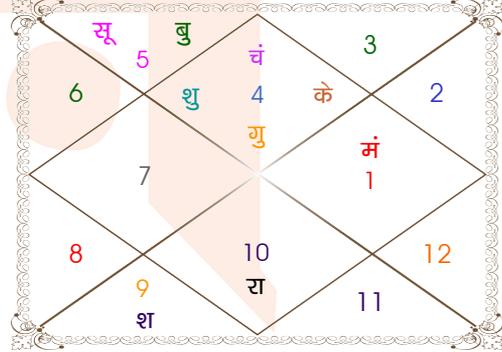
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:49

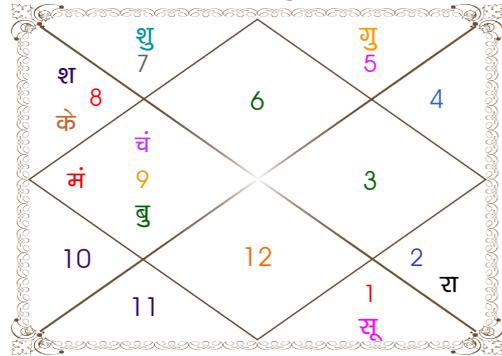
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 0 मास 20 दिन

| बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 19/08/1990 | 09/09/2003 | 09/09/2010 | 09/09/2030 | 08/09/2036 |
| 09/09/2003 | 09/09/2010 | 09/09/2030 | 08/09/2036 | 09/09/2046 |
| 00/00/0000 | केतु 05/02/2004 | शुक्र 08/01/2014 | सूर्य 27/12/2030 | चंद्र 10/07/2037 |
| 19/08/1990 | शुक्र 06/04/2005 | सूर्य 08/01/2015 | चंद्र 28/06/2031 | मंगल 08/02/2038 |
| शुक्र 02/12/1992 | सूर्य 12/08/2005 | चंद्र 08/09/2016 | मंगल 03/11/2031 | राहु 09/08/2039 |
| सूर्य 09/10/1993 | चंद्र 13/03/2006 | मंगल 08/11/2017 | राहु 26/09/2032 | गुरु 08/12/2040 |
| चंद्र 10/03/1995 | मंगल 09/08/2006 | राहु 08/11/2020 | गुरु 16/07/2033 | शनि 10/07/2042 |
| मंगल 07/03/1996 | राहु 28/08/2007 | गुरु 10/07/2023 | शनि 28/06/2034 | बुध 09/12/2043 |
| राहु 24/09/1998 | गुरु 03/08/2008 | शनि 09/09/2026 | बुध 04/05/2035 | केतु 09/07/2044 |
| गुरु 30/12/2000 | शनि 11/09/2009 | बुध 10/07/2029 | केतु 09/09/2035 | शुक्र 10/03/2046 |
| शनि 09/09/2003 | बुध 09/09/2010 | केतु 09/09/2030 | शुक्र 08/09/2036 | सूर्य 09/09/2046 |

| मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 09/09/2046 | 08/09/2053 | 09/09/2071 | 09/09/2087 | 10/09/2106 |
| 08/09/2053 | 09/09/2071 | 09/09/2087 | 10/09/2106 | 00/00/0000 |
| मंगल 05/02/2047 | राहु 22/05/2056 | गुरु 27/10/2073 | शनि 12/09/2090 | बुध 05/02/2109 |
| राहु 23/02/2048 | गुरु 15/10/2058 | शनि 09/05/2076 | बुध 22/05/2093 | केतु 03/02/2110 |
| गुरु 29/01/2049 | शनि 21/08/2061 | बुध 15/08/2078 | केतु 01/07/2094 | शुक्र 20/08/2110 |
| शनि 10/03/2050 | बुध 10/03/2064 | केतु 22/07/2079 | शुक्र 30/08/2097 | 00/00/0000 |
| बुध 07/03/2051 | केतु 28/03/2065 | शुक्र 22/03/2082 | सूर्य 12/08/2098 | 00/00/0000 |
| केतु 03/08/2051 | शुक्र 28/03/2068 | सूर्य 08/01/2083 | चंद्र 14/03/2100 | 00/00/0000 |
| शुक्र 03/10/2052 | सूर्य 20/02/2069 | चंद्र 09/05/2084 | मंगल 22/04/2101 | 00/00/0000 |
| सूर्य 07/02/2053 | चंद्र 21/08/2070 | मंगल 15/04/2085 | राहु 27/02/2104 | 00/00/0000 |
| चंद्र 08/09/2053 | मंगल 09/09/2071 | राहु 09/09/2087 | गुरु 10/09/2106 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 0 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के द्वितीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्न के साथ-साथ कन्या राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि संयोजनों से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप पर्याप्त साधन संग्रह करने के मामले में बहुत बड़े भाग्यशाली प्राणी हैं। परंतु आपके लिए यह निर्देश अत्यंत ग्राह्यनीय है कि आपकी मनोवृत्ति यह हो सकता है कि शीघ्रतापूर्वक धनी बनने के लिए जूआ, सट्टा आदि खेल कर सफलता पूर्वक धनवान बन सकता हूं। परंतु उत्तम तो यह है कि आप अपनी इस मनोवृत्ति को इस भावना के प्रति मोड़ दे। तथापि आप यदा-कदा लाटरी का टिकट खरीद कर कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आप किसी भी विषय को सुदृढ़तापूर्वक समझ जाते हैं। आप अपने लक्ष्य को निर्देश अनुसार प्रेरित होकर किसी भी कार्य कलाप के पीछे साहस पूर्वक दृढ़ संकल्पित होकर संलग्न हो जाते हैं। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप स्पष्ट रूप से विचार कर के अपनी कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं तथा किसी भी प्रकार की भूमिका की सफलता प्राप्ति हेतु छलांग लगाकर प्रयास नहीं करते हैं।

आप सपत्नीक किसी कार्य को विवेकपूर्वक करके अपने कार्य-कलाप की सफलता प्राप्ति हेतु सक्षम हैं। आप अपने जीवन के उत्तम समयावधि में सुमधुर समय पर सावधानी पूर्वक लाभांशित हो सकते हैं। जब आपकी आयु 15 वें वर्ष से 23 वर्ष के मध्य एवं 29 वें वर्ष तक की होगी। वह समय आपके लिए भाग्यशाली प्रमाणित होगा।

इन तीन वर्षों के अंतर्गत आप अपनी संतुष्टि हेतु किसी प्रकार का अनैतिक एवं दुःसाहसिक कार्य न करें। आप इस समय सहजता पूर्वक सुखी एवं संतुष्ट हो जाएंगे।

आप अपने लिए कार्य व्यवसायों में जनरलिस्ट एवं संचार मिडिया का कार्य धर्म एवं दर्शन के कार्य, पुलिस, प्रतिरक्षा की सेवा, खनिज व्यवसाय, चर्मोद्योग कृषि कार्य एवं सामान्य औद्योगिक प्रतिष्ठान की स्थापना आदि कार्यों में से अपनी इच्छानुसार किसी भी कार्य व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।

आपमें विद्वेष एवं उच्चाकांक्षा रहती है, जो क्षणिक कार्यकलाप का घोटक है। आप अपने परिवार से अत्यधिक संबद्ध रहने वाले प्राणी हैं। आप अपनी पत्नी एवं बच्चों के प्रति श्रद्धावान होंगे।

उन लोगों की मनोवृत्ति आपसे अधिक आदान-प्रदान करने की रहती है, वे अधिक मात्रा में आपसे अपेक्षा करते हैं। इन बातों को आप महसूस करते हैं। सामान्यतः आप अपने पिता (अभिभावक) भाई एवं बहनों के प्रति बहुत स्नेहशील रहने वाले व्यक्ति होंगे।

आपको अपने जीवन में संगीत कला अर्थात् गायन-वादन से युक्त रहना एक अच्छा आनंददायक माहौल रहेगा। आपके बहुत मित्रगण होंगे, जो आपके साथ अपना

आनंददायक समय व्यतीत करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु अधिक उम्र में ऐसे अवसर आ सकते हैं। जिस समय आपको हृदय संबंधी समस्याएं मूर्छा (बेहोशी) लगातार कफ-सर्दी, जुकाम आदि रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप समय-समय पर चिकित्सक से जांच-पड़ताल कराते रहें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उत्तम है। परंतु आपके लिए क्रीम एवं पीला रंग अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं निर्भरात्मक अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। जबकि आपके लिए अंक 3 सर्वथा त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन शुभ दर्शनीय एवं महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए अनुपयुक्त है।

